when he went to the Delhi University, made the appeal that politics should not enter there. If the Prime Ministers appeal is not binding on others, at least we expect it to be binding on the members of his party. Sir, the *Statesman* today has given a very impartial version of the entire proceedings.

I have two or three suggestions to make. I want to know: why should there be a re-poll when it has been proved beyond doubt that Shri Hari Shankar was winning in the election. Why should there be a total re-poll? The second thing is that the Delhi University has ordered an inquiry into it. It is all very good. Hold an inquiry. But I have a suggestion to make. The person who heads the inquiry should not be from any political party, should have nothing to do with the Delhi Administration, should have nothing to do with the Delhi University. He should be an outsider. (*Interruptions*) Sir, another suggestion I have to make is.... (*Interruptions*) The students interested in academic life will suffer. To avoid that, I have a suggestion that in future let there be decentralised counting of votes. Let every college have its own counting and send a chit to the central authority. This will not involve tension and unruly elements. Sir, please do not allow the students again to become victims because the Police does not take part or because the interested political personalities flout the rules of the Delhi University Students' Union elections. This should not be allowed, and this matter should be looked into.

REFERENCE TO THE CONSTRUCTION OF KARAKORAM HIGHWAY

MR. CHAIRMAN: Mr. Mathur.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : मैं सदन का ध्यान...

MR. CHAIRMAN: The subject is Pakistan.

श्री कल्प नाथ राय (उत्तर प्रदेश) : यूनिवर्सिटी में जो इलेक्शन हुआ है यह निन्दा का विषय है । इन्होंने जान बूझ कर इस चुनाव में असफल होते हुए देखा। एसा.. (*Interruptions*) इस बात की होनी चाहिये ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : बैलट पेपर चुरा कर के मेडम को दिये गये है ।

श्री श्याम लाल यादव (उत्तर प्रदेश) लाखो रुपये ...

MR. CHAIRMAN: Not to be recorded.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (Uttar Pradesh): Why is he speaking now?

SHRI SHYAM LAL YADAV: (*continued to speak*)

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Whatever he has said should be removed from the record. It is for the Chair. You cannot speak without permission.

MR. CHAIRMAN: It is not being recorded. Nobody should speak. Let Mr. Mathur speak now. You kindly start.

SHRIMATI AMBIKA SONI (Punjab): They pollute the entire atmosphere.

MR. CHAIRMAN: That is all right.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : इस बात का सबूत है कि मैडम के पास उन लोगों ने बैलट पेपर चुरा कर के दिये हैं ।

में इस सदन का ध्यान उस सड़क की ओर दिलाना चाहता हूं जो अभी चीन और पाकिस्तान ने मिल कर यारकन्द और स्कार्दू के बीच में बनाई है । इसका समाचार इन्टलिजैन्स के माध्यम से...

SHRI SHIVA CHANDRA JHA (Bihar): A point of order.

MR. CHAIRMAN: Where is the point of order? There is no point of order.

श्री शिव चन्द्र झा : इस काल अटेन्शन के लिये मैंने कल अपना नाम दिया था । लेकिन आपने रिजैक्ट कर दिया और आज आपने वही काल अटैन्शन फिर लिया है ।

MR. CHAIRMAN: There is no point of order.

श्री शिव चन्द्र झा : इस विषय पर...

MR. CHAIRMAN: You are also there on the list today. What am I to do? You are giving daily at least two or three notices. Please hear me. You are the one Hon. Member who is not failing to give at least two or three notices daily. Today also I have given you an opportunity, and I will call you.

SHRI SHIVA CHANDRA JHA : I gave notices on different subjects.

MR. CHAIRMAN: You will have varieties.

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY (Andhra Pradesh) : I gave a notice only once, but you rejected it. He gives so many notices every day.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : इन्टेलिजैन्स के माध्यम से अभी गत सप्ताह समाचार मिला है कि यह सड़क चीन की मदद से बनाई जा रही है और इसका खर्चा मुख्यतः चीन स्वयं बर्दाश्त करेगा । इसी के साथ-साथ सिंकयाग से लेकर और यारकंद तक एक एयरलाइन्स की भी सर्विस शुरू की जायेगी और एक हवाई अड्डा यारकन्द के पास बनाया जायगा । इसका खर्चा भी चीन देगा । मैं ध्यान दिलाना चाहता हूं कि यह वह क्षेत्र है जो 1959 में चीन ने भारत के कश्मीर के हिस्से में से छीना था । उस वक्त दूसरे सदन में हमारे प्रधान मंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि—नौट अ ब्लड आफ ग्राम ग्रोज—यही वह इलाका है । उसी इलाके को चीन ने दबाया और 1963 के अन्दर चीन और पाकिस्तान का समझौता हुआ जिस में 750 वर्गमील हिस्सा पाकिस्कान को मिला । उस समय की हमारी गलती आज हमको भुगतनी पड़ रही है । मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि अभी कुछ अरसा पहले एक और सड़क कराकोरम पर बनायी गयी थी और आज एक और सड़क बनायी गयी है जिस से हमारी सीमाओं पर खतरा पैदा हो गया है । क्या हम इस सड़क के बनाने के संबंध में—सड़क अभी बननी प्रारम्भ हुई है—किसी प्रकार चीन सरकार का ध्यान आकर्षित करके, ऐतराज करके, इस को बनने देने से रोक सकते हैं ? यदि रोका जाए तो हमारी सीमाओं की सुरक्षा के संबंध में कुछ सहायता मिलेगी ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) : इसी विषय पर मुझे भी कहना है लेकिन उस को अपनी सरकार की मौजूदा विदेश नीति के संदर्भ म कहना है, कि इस समय कहा यह जा रहा है कि चीन हम से दोस्ती करना चाहता है । अभी क्वेश्चन आवर के दर्मियान मे हमारे पाडे जी ने कहा था कि क्यों चीन से सीमेन्ट नही मंगवाते हो ? हमारे प्रधान मंत्री जी और हमारे विदेश मंत्री जी ने कहा कि चीन दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है । श्रीमन्, मेरी समझ में बात यह साफ आती है कि यह चीन और अमरीका की साजिश है । इस समय जब उनका झगड़ा रूस से चल रहा है तो वह हिन्दुस्तान से यह जाहिर करना चाहता है कि हिन्दुस्तान से वह दोस्ती चाहते हैं। असलियत में चीन हिन्दुस्तान से दोस्ती नही चाहता है, चीन केवल समय के अनुसार रूस के खिलाफ एक मोर्चा बनाना चाहता है, उस मोर्चे मे अमरीका शामिल है, उस मोर्चे मे वह हिन्दुस्तान को भी शामिल करना चाहता है । एक तरफ से हिन्दुस्तान से दोस्ती की बात करता है और दूसरी तरफ हमारी पुर्वी उत्तरी सीमा के विद्रोही लोगों को ट्रेड कर के अपने यहां से भेजता है विद्रोह कराने के लिए । और यह दूसरा और तीसरा उदाहरण है, एक सड़क अभी बन चुकी है और दूसरी सड़क जैसा हमारे लायक दोस्त ने कहा सिन्क्याग और यारकंद के बीच 50 करोड़ रुपये की लागत से बन रही है । सारा खर्च चीन दे रहा है । इसका इस्तेमाल चीन और पाकिस्तान मिल कर हिन्दुस्तान के खिलाफ फौजी तैयारी मे करेंगे । यह सड़क 19,000 फुट की उंचाई पर बन रही है और इस सड़क पर भारी तोप गाड़ियां, टैंक और ट्रक चलेंगे, इस का विशेष इंतजाम किया जा रहा है । श्रीमन्, जैसा मेरे लायक दोस्त ने कहा, वही उस के पास ही से स्कार्टू से लेकर यारकंद तक हवाई सेवा के लिए भी, हवाई फौज के इस्तेमाल के लिए, स्कार्टू मे एक हवाई-अड्डा भी बनाया जा हा है । उसका भी सारा खर्चा चीन दे रहा है । पाकिस्तान ने सारी हवाई फौज की तैयारी कर रखी है और आगे कर रहा है और खर्चा चीन दे रहा है । क्या इस से जाहिर नहीं है कि यह रूस के खिलाफ मोर्चाबंदी हो रही है ? चीन यह मोर्चाबंदी कर रहा है और अपनी साजिश मे हिन्दुस्तान को भी फंसाना चाहता है ? अभी यह जग जाहिर है कि हमारे मित्र सुब्रह्मण्यम स्वामी के अमरीका से मीठे संबंध है और चीन ने उन्हें आमंत्रित किया है अपने यहा (*Interruptions*) उन्ही को नही उनकी पत्नी को भी आमंत्रित किया है, अपने खर्चे पर आमंत्रित किया है, चीन के खर्चे पर आमंत्रित किया है । श्रीमन्,

मैं यह कहना चाहता हूं कि चीन हमारे यहां देश में ऐसे लोगों को पैदा कर रहा है जो हिन्दुस्तान के खिलाफ, हिन्दुस्तान के इंटरेस्ट के खिलाफ चीन की वकालत करें। 1962 की लड़ाई में हम ने देखा था कि जिस समय चीन ने हमारे देश पर हमला किया उस समय भी हमारे देश में लोग मजूद थे कि जो चीन की वकालत कर रहे थे और यह कह रहे थे कि हिन्दुस्तान ने चीन पर हमला किया है। चीन ने हमारे ऊपर हमला किया था लेकिन हमारे देश में ऐसे लोग मौजूद थे कि जो दलील दे रहे थे कि हमारे देश ने ही चीन पर हमला किया है। आज यह साजिश फिर चल रही है। उस समय हिन्दी चीनी भाई-भाई का नारा लगा कर हमारे देश की पीठ में छुरा भोंका गया था। आज फिर वही नारा शुरू होने जा रहा है। मैं साफ कहना चाहता हूं कि यह साजिश हम लोग फिर कामयाब नहीं होने देंगे। चीन की दगाबाजी की दोस्ती कभी नहीं पायेगी। इस लिये मैं सरकार का ध्यान इस तरफ आकृष्ट करता हूं कि सरकार चीन के साथ बात चीत करने में सावधान रहे हमारे विदेश मंत्री जी चीन जाने वाले हैं, वह अपनी बात चीत में इस बात की सफाई करें कि क्या वजह है कि पाकिस्तान की फौजी तैयारियां, उस के इंस्टालेशन्स, उस के फौजी हवाई अड्डे चीन के खर्चे से बनाये जा रहे हैं। किस के खिलाफ यह तयारी हो रही है। आकूपाइड काश्मीर में अगर तैयारियां होती हैं तो वे किस के खिलाफ होती हैं। इस मुल्क के लोग अब इतने गुमराह होने वाले नहीं हैं। इस लिये श्रीमन्, मैं निवेदन करता हूं कि हमारे मंत्री जी, जो यहां बैठे हुए हैं वह सरकार का विशेष ध्यान इस तरफ आकृष्ट करें और सदन को और देश को संतुष्ट किया जाय इस मामले पर।

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश): इस पर प्रश्न करने के लिए हमें समय दिया जाय।

MR. CHAIRMAN: Supplementaries are not allowed on Special Mentions.

REFERENCE TO PAKISTANI INFILTRATION IN THE POONCH AND RAJOURI SECTORS

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार): मैं आप के जरिये इस सदन का ध्यान एक बहुत गंभीर विषय की ओर ले जाना चाहता हूं। और वह यह है कि पाकिस्तानी फौजों ने एक्चुअल लाइन आफ कंट्रोल, पूंछ और रजौरी एरिया जम्मू और काश्मीर का जो है उस में बराबर फायरिंग करना जारी रखा है। दूसरी दफा फायरिंग चालू हुई है उस की खबर करीब करीब सभी अखबारों में आ गयी है। मैं सिर्फ टाइम्स आफ इंडिया में जो निकला है उस को पढ़ कर आप को सुनाता हूं।

"Pakistani troops again resorted to unprovoked firing across in the line of actual control in the Rajouri sector early this week, according to information available here.

They used machineguns and rifles in the firing on more than one occasion the same day. No casualties on the Indian side have been reported. The Indian side did not return the fire.

There had been more than one incident of firing by Pakistanis last week also."

चन्डीगढ ट्रिब्यून और दूसरे अखबारों में भी यह खबर आयी है। इस घटना के बाद बराबर पाकिस्तानी फौजें सीमा पर फायरिंग करती जा रही हैं। और हिन्दुस्तानी फौजें उस का कोई जवाब नहीं दे रही हैं। इस को कुछ बैकग्राउन्ड के साथ समझना जरूरी होगा। आप जानते हैं कि अमरीका पाकिस्तान की मदद कर रहा है। फ्रांस ने जो न्यूक्लिअर प्रोसेसिंग प्लान्ट की बात को खत्म किया तो अमरीका आगे बढ गया और इंडियन एक्सप्रेस में और सभी दूसरे अखबारों में खबर है।

"Pakistan acquires several units of French missiles"

तो न्यूक्लिअर प्लान्ट की बात तो खत्म हो गयी लेकिन बड़े बड़े मिसाइल फ्रांस पाकिस्तान को सप्लाई कर रहा है और अमरीका भी सप्लाई कर रहा है। और अमरीका किस नियत से यह सब सप्लाई कर रहा है। वह नीयत साफ है। वह हथियार बेचता है पाकिस्तान को ताकि वह निशाना लगायेंगे हिन्दुस्तान पर। आज के हिन्दुस्तान टाइम्स में कहा है कि दिल्ली हिटिंग रेंज में आ गया है। मैं सिर्फ दो तीन लाइनें पढ कर आपको सुनाना चाहता हूं।

The United States is trying to supply Corsair A7 aircraft on the ground that Pakistan is demanding them to offset India's ground superiority. It is pointed out that Corsair is not a deep strike aircraft, but a ground support fighter and is so used by the United States Navy and Air Force.

उसके आगे उनके ऐक्सपर्टस कहते हैं :-

According to these reports that Pakistan has preferred A7 to A10 showed that the target which is in mind is India.